

**सेल्समैन** पुं. (अं.) बिक्री करने के लिए (दुकान पर) नियुक्त व्यक्ति, बिक्रीकर्ता 2. बेचने वाला, विक्रेता।

**सेल्सियस पैमाना** पुं. (अं.) (भौतिकी) बर्फ के गलनांक शून्य (0) तथा क्वथनांक सौ अंश (100) वाला एक तापमापी पैमाना, इसे पहले 'सेन्टीग्रेट स्केल' कहा जाता था। अब इसे नया नाम स्वीडन के खगोल शास्त्री ए.सेल्सियस (1701 से 1744) के नाम से दिया गया है, 20 सेंटीग्रेट को ही 20 सेल्सियस कहा जाता है।

**सेल्ह/सेल्हा** पुं. (तद्.) 1. बर्छा, भाला, 2. शक्ति, साँग, साधारण धान जो बहुत दिनों तक अच्छी तथा खाने लायक बना रहता है।

**सेल्ही** स्त्री. (तद्.) 1. जोगियों की सूती, रेशमी या ऊनी माला, जिसे वे सिर पर लपेटे रहते हैं 2. सेली, बरछी, भाला।

**सेवंत** पुं. (तद्.) एक राग।

**सेवई** स्त्री. (तद्.) 1. मैदे के सूत के समान बारीक बहुत पतले लच्छे जिन्हें दूध में पकाकर मीठे पकवान के रूप में खाया जाता है, सिमई, या सेमई 2. एक प्रकार की लंबी घास जिसकी बालें पशुओं के चारे के लिए प्रयुक्त होती है।

**सेव** पुं. (देश.) 1. सिंचाई, छिडकाव 2. बेसन से बना हुआ नमकीन या मीठा बारीक पकवान।

**सेवक** पुं. (तद्.) 1. सेवा, पूजा, सम्मान करने वाला व्यक्ति नौकर, चाकर, भक्त 2. आश्रित व्यक्ति 1. आराधक वि. 1. सेवा करने वाला 2. पूजा करने वाला, सम्मान करने वाला 3. आश्रित, अभ्यास करने वाला 4. प्रयोगकर्ता।

**सेवकत्व** पुं. (तद्.) 1. सेवक होने की दशा, भाव 2. सेवक-धर्म, सेवा-भावना 3. नौकरी, चाकरी।

**सेवक-सेव्य-भाव** पुं. (तद्.) उपास्य को अपना स्वामी मानकर सेवक के समान स्वयं का आचरण बनाए रखना, सेव्य सेवक भाव।

**सेवकाई** स्त्री. (तद्.) 1. सेवकता 2. सेवक का भाव 3. सेवक की क्रिया, चाकरी, नौकरी। सेवकता 4. सेवा, टहल, परिचर्या।

**सेवग** पुं. (देश.) सेवक।

**सेवड़ा** पुं. (देश.) 1. जैन साधुओं का एक भेद 2. मैदे या बेसन का बना एक नमकीन पकवान।

**सेवति** स्त्री. (देश.) स्वाति नक्षत्र।

**सेवती** वि. (देश.) सफेद रंग का स्त्री. सफेद गुलाब।

**सेवदाना** पुं. (देश.) सोयाबीन के दाने।

**सेवन** पुं. (तद्.) 1. नियमित रूप से किया जाने वाला उपयोग, या व्यवहार, सेवन 2. सेवा, टहल 3. पूजन, भक्ति, उपासना 4. अभ्यास 5. मैथुन 6. टाँका लगाना, सीना, बांधना 7. चारे के काम आने वाली एक घास।

**सेवना** स.क्रि. (तद्.) सेवा करना टहल करना, परिचर्या करना पुं. 1. सेवन 2. नियमित उपयोग 3. उपभोग 4. अंडों का सेना (अंडों के सेने की क्रिया (गर्मी देकर) 3. स्त्री. आराधना, पूजा, भक्ति।

**सेवनी** पुं. (तद्.) हलवाहा स्त्री. (तद्.) 1. सीवन सिलाई के टाँके 2. सुई, सूची 3. प्राकृतिक जोड़।

**सेवनीय** वि. (तद्.) 1. सेवन या सेवा किए जाने के लायक, सेवा योग्य 2. पूजा या आराधना किए जाने के लायक या योग्य, पूजा योग्य, आराधनीय, पूजनीय 3. पूज्य, सेव्य 4. ग्रहणीय, ग्रहण करने योग्य 5. उपयोग या सेवन लायक 6. सिले जाने योग्य।

**सेवरा** पुं. (तद्.) 1. श्वेतांबर, श्वेतपट 2. श्वेतांबर जैन-साधु।

**सेवरी** स्त्री. (तद्.) 1. शबरी, शबर जाति की स्त्री 2. रामायण में वर्णित राम की सेवा (आतिथ्य) करने वाली शबर जाति की रामभक्त महिला (साध्वी)।

**सेवल** पुं. (देश.) विवाह के समय दूल्हे द्वारा आरती की थाली को सिर से छूने, माथे से लगाने की एक रस्म।

**सेवांजलि** स्त्री. (तद्.) 1. अंजलिबद्ध होकर भक्ति भाव से प्रणाम करना 2. किसी वस्तु को अंजलि